VILFREDO PARETO

B.A. III, IV
SOCIOLOGY
M.A. JOHN

विलफ्रेडो पैरेटो इटली के एक प्रसिद्ध समाजशास्त्री थे जिन्हें गणितीय समाजशास्त्र का संस्थापक कहा जाता है। इन्हें फासीवाद का भविष्य-वक्ता तथा बुर्जुआ समाज का कार्ल मार्क्स भी कहा जाता है।

पैरेटो मूलतः अर्थशास्त्री थे और धीरे-धीरे उन्होंने समाजशास्त्र के क्षेत्र में अपना कदम रखा। गुरविच और मूर के अनुसार "एक विद्वान के रूप में वह मूलतः अर्थशास्त्री था, समाजशास्त्री नहीं"।

Pareto का जन्म फ्रांस में हुआ था। उनके पिता को उनके क्रांतिकारी विचारों के कारण इटली से निष्कासित कर दिया गया था और उन्हें फ्रांस में पनाह लेनी पड़ी। Pareto की आरम्भिक प्रारम्भिक शिक्षा फ्रांस में ही हुई और लगभग 10 वर्षों की आयु तक फ्रांस में रहकर ही उन्होंने शिक्षा प्राप्त की। फिर उनके पिता इटली लौट गये। जहाँ उन्होंने Engineering की शिक्षा प्राप्त की और गणित और भौतिकशास्त्र का भी ज्ञान प्राप्त किया। Europe के कई राज्यों की यात्रा का अवसर प्राप्त हुआ इस बीच प्रसिद्ध विद्वानों से सम्पर्क करने का अवसर मिला। उन्होंने Comte, Spencer और Darwin की रचनाओं का भी अध्ययन किया। इस बीच अनेक लेख भी लिखे और आप इन्जीनियर से अर्थशास्त्री और अन्त में समाजशास्त्री बन गये। उनके व्यक्तित्व को निर्मित करने में अनेक परिस्थितियों और कारकों का योग था। उनके विचारों पर उस समय की सामाजिक और राजनैतिक परिस्थिति का भी प्रभाव पड़ा है। जिन विचारकों ने उन्हें सबसे अधिक प्रभावित किया है

3- में मिचेल्स वाल्रास, Edward Mill के नाम विशेष महत्व रखते हैं।

समाजिक विचारधारा के क्षेत्र में अभिजात वर्ग की अवधारणा Pareto की मुख्य देन है। Pareto के अनुसार प्रत्येक समाज में दो वर्ग पाये जाते हैं जिन्हें उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग कहा जाता है। उच्च वर्ग के पास शक्ति होती है, इसके सदस्य चतुर, कुशल, चरित्रवान एवं समर्थ होते हैं। इन्हें गुणों कारण इस वर्ग के लोग शासन में होते हैं, उच्च पदों पर होते हैं और इन्हीं के द्वारा समाज में नियन्त्रण की व्यवस्था बनी रहती है। Pareto ने इसी वर्ग को अभिजात वर्ग कहा है। Pareto ने यह भी विचार किया कि यह वर्ग प्रभावशाली होता है और इसके सदस्यों में उच्च बुद्धि, चरित्र, कुशलता और क्षमता के गुण पाये जाते हैं। जनसंख्या की दृष्टि से ये वर्ग अल्पसंख्यक होते हैं। Pareto ने अभिजात वर्ग को भी दो भागों में विभाजित किया है जैसे!

(1) शासक अभिजात तथा

(2) गैर शासक अभिजात

शासक अभिजात वर्ग में वह लोग सम्मिलित होते हैं जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शासन से सम्बन्धित होते हैं, प्रतिष्ठित पदों पर आसीन होते हैं तथा समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जैसे मंत्री, आई०ए० एस अफसर इत्यादि। गैर शासक अभिजात वर्ग में उन लोगों को सम्मिलित किया जाता है जिनका सम्बन्ध प्रशासन से तो नहीं होता। परन्तु समाज में ऐसे पदों को धारण किये होते हैं जो

Scanned with CamScanner

प्रशासन को प्रभावित करते हैं इनमें सैना, व्यापारिक संघ एवं धार्मिक संगठनों में सर्वोच्च पद धारण करने वाले को, तथा व्यापारी, डाक्टरों इत्यादि को सम्मिलित किया जाता है।

Pareto ने अभिजात वर्ग के परिभ्रमण की अवधारणा प्रस्तुत की है। उन्होंने विचार किया कि प्रत्येक समाज वर्गों का संस्तरण पाया जाता है। तथा उनके बीच ऊपर उठना और नीचे गिरने का क्रम चलता रहता है। इसलिये कि इनमें से कोई भी वर्ग बन्द नहीं होता है और उनमें गतिशीलता पायी जाती है।

Pareto ने यह भी विचार किया कि जब अभिजात वर्ग या शासक वर्ग अपनी बुद्धि, कुशलता, चरित्र, क्षमता, आदि की दृष्टि से बिगड़ जाते हैं या कमजोर पड़ जाते हैं; या परिस्थितियों वश अभिजात वर्ग के लोगों की संख्या कम पड़ जाती है तो उनका स्थान भरने के लिये निम्नवर्ग, और अभिजात वर्ग या शासित वर्ग के बुद्धिमान, योग्य, एवं साहस व्यक्ति ऊपर की ओर उठते हैं, शक्ति के पद को प्राप्त कर लेते हैं और अभिजात वर्ग में सम्मिलित हो जाते हैं। इस प्रकार शासक या अभिजात वर्ग तथा शासित वर्ग एवं और अभिजात वर्ग में लोगों का ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर की ओर आना जाना होता है तो इसी को Pareto ने अभिजात वर्ग के परिभ्रमण का नाम दिया है (Circulation of Elites) इसी कारण Pareto ने इतिहास को कुलीनतन्त्रों का कब्रिस्तान कहा है।

Scanned with CamScanner

Pareto ने अभिजात वर्ग के परिभ्रमण की व्याख्या मानसिक अवशेषों में होने वाले परिवर्तनों के आधार पर की है।

T.B. Bottomore ने Pareto के अभिजात वर्ग के परिभ्रमण के सिद्धान्त की आलोचना करते हुए यह विचार दिया कि व्यक्तियों की क्षमता एवं व्यवहार को मापना है। ये अवशेष अभिजात वर्ग के परिभ्रमण में योग देते हैं लेकिन Pareto ने यह स्पष्ट नहीं किया कि अवशेषों में परिवर्तन किस प्रकार और क्यों होता है। आलोचना करते हुए उन्होंने यह भी विचार दिया कि अभिजात वर्ग के उत्थान और पतन के सम्बन्ध में Pareto ने जो उल्लेख किया है और सामग्री जुटाई है उसे सार्वभौमिक नहीं कहा जा सकता है।

— x —

Scanned with CamScanner